

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

## भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता

करने की क्षमता भी रखता है. आर्थिक दृष्टि से यह समझौता भारत के लिए उपभोगा हित और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा दोनों के नए द्वार खोलता है. यूरोपीय संघ से आयातित उत्पादों पर सीमा शुल्क में भारी कटौती का अर्थ यह है कि भारत के बाजार में विलासितापूर्ण वाहन, अंगूर-मदिरा, उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ, चिकित्सा उपकरण तथा अत्याधुनिक औद्योगिक मशीनें पहले की तुलना में अधिक सुलभ होंगी. वाहनों पर लगने वाले अत्यधिक आयात शुल्क का एक अंकीय (सिंगल डिजिट) स्तर तक सिमटना तथा मदिरा पर शुल्क में चरणबद्ध कमी, उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को नई गति प्रदान करेगी.

दरअसल, इस समझौते की वास्तविक शक्ति केवल सस्ते आयात तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के निर्यात पक्ष में निहित है. वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण तथा समुद्री उत्पाद जैसे श्रेय-प्रधान

क्षेत्रों को यूरोपीय बाजारों में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलना, भारत में रोजगार सृजन और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विस्तार का बड़ा अवसर है. यह पहल 'मेक इन इंडिया' को मात्र नारा न रहकर वैश्विक व्यापार का व्यावहारिक मॉडल बनाने की दिशा में ठोस कदम सिद्ध होती है. सर्विस सेक्टर में भी यह समझौता भारत के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ लेकर आया है. सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, अभियंताओं और वित्तीय सलाहकारों के लिए यूरोप में सेवाएं देना सरल होना, भारत की मानव पूंजी को वैश्विक मान्यता दिलाने वाला कदम है. इसके साथ ही विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में संभावित यूरोपीय निवेश, भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा को स्थायित्व प्रदान करेगा. दरअसल, रणनीतिक स्तर पर यह समझौता चीन-केंद्रित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्प के रूप में भारत को स्थापित करता है.

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूरोपीय संघ द्वारा हरित प्रौद्योगिकी सहयोग और आर्थिक सहायता, भारत की सतत विकास संबंधी प्रतिबद्धताओं को मजबूती प्रदान करती है तथा हरित विकास को आर्थिक नीति के केंद्र में स्थापित करती है.

निस्संदेह, इस समझौते के क्रियान्वयन के दौरान घरेलू उद्योगों की सुरक्षा, कृषि हितों की रक्षा और नियामक संतुलन जैसी चुनौतियाँ सामने आएंगी. किंतु दीर्घकाल में यह मुक्त व्यापार समझौता भारत को एक विश्वसनीय और प्रभावशाली वैश्विक आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखता है.

यदि संसदों की स्वीकृति समयबद्ध रूप से प्राप्त होती है और नीति-स्तर पर सतर्कता बनी रहती है, तो वर्ष 2027 तक लागू होने वाला यह समझौता भारत की आर्थिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ेगा, जहाँ व्यापार केवल लेन-देन का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि रणनीति, आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक बनेगा.

## मोदी की रणनीति

## मदर ऑफ ऑल डील कूटनीति



दिलीप झा

आज पूरी दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आक्रोश है क्योंकि उन्होंने विश्व के सभी ताकतवर देशों को टैरिफ के नाम पर धमकाने का काम किया है. ट्रंप की इस नीति के विरोध में

वैश्विक स्तर पर खासकर यूरोपीय देश और इस्लामिक राष्ट्र खुलकर सामने आ गए हैं. निस्संदेह ट्रंप को हेकड़ी से लोकतांत्रिक व्यवस्था को बड़ा आघात पहुंचा है. किसी देश के आंतरिक मामलों में इस तरह का हस्तक्षेप पहले कभी नहीं देखा गया जैसा आजकल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप दिखाते की कोशिश कर रहे हैं. अपने फायदे के लिए अमेरिका जिस राह पर चल रहा है वह वैश्विक परिदृश्य के लिए खतरनाक ही नहीं विनाशकारी साबित होगा. इस तरह के उथल-पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मानवतावादी प्रतिबद्धताओं के साथ नवीन कूटनीति अपनाकर यूरोपीय यूनियन के साथ मदर ऑफ ऑल डील को अंजाम देने वाले विश्व के पहले नेता बन गए हैं. 27 जनवरी को ईयू से हुए समझौते भारत के लिए गेम चेंजर साबित होंगे.

विश्व के ताकतवर देशों के नेताओं को मोदी के नेतृत्व वाले भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था पर भरोसा है और यही कारण है कि वे भारत के साथ व्यापारिक संबंध को और

मुक्त व्यापार समझौते ( एफटीए ) को भारत द्वारा अबतक किए गए व्यापार समझौतों में सबसे बड़ा कहा जा रहा है. समझौते में शामिल बिंदुओं की जांच पड़ताल कर पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. हालांकि बताया जा रहा है कि इस समझौते को लागू करने में कुछ समय लग सकता है, क्योंकि इसके लिए यूरोपियन यूनियन संसद की मंजूरी जरूरी है. जबकि भारत में सिर्फ कैबिनेट मंजूरी की आवश्यकता है. इस समझौते की सबसे खास बात यह है कि 90 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादों पर आयात शुल्क शून्य हो जाएगा. दरअसल यूरोपीय यूनियन बाजार भारत के कुल निर्यात का 17 प्रतिशत है और इस ग्रुप का भारत को निर्यात उसके कुल विदेशी शिपमेंट का नौ प्रतिशत है. दूसरी ओर भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति को स्पष्ट कहा कि वे रूस से हमारी तेल खरीदी घटी लेकिन बंद नहीं हुई है. इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि भारत ने कच्चे तेल की खरीद में कम जोखिम और ज्यादा भारोसे की कूटनीति से ट्रंप को वैश्विक मंच पर चारोखाने तित कर दिया है. मोदी की इस पटखनी को अमेरिका का इतिहास याद रखेंगा क्योंकि इससे अमेरिका की चौधराहट खत्म हो जाएगी और विश्व शांति के मार्ग पर प्रशस्त होगा.

मजबूत करने के लिए बेहद उत्साहित हैं. आज स्थिति यह है कि रूस और चीन के साथ यूरोपीय यूनियन के देश इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया समेत अनेकों देश के अलावा रूस और चीन भी भारत के भारोसेमंद साथी बनकर चलने को तैयार हैं.

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है. प्रधानमंत्री मोदी की कठोर परिश्रम वाली कार्याशैली बिना थके लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ते कदम से भारत वाकई विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर है तो देश के अंदर उनकी आलोचना करने वाला विपक्ष अर्चिभूत है कि यह कैसे संभव हो रहा है. हालांकि विपक्षी नेताओं को यह भलीभांति पता है कि हर असंभव कार्य को संभव बनाने वाले व्यक्तित्व का नाम है नरेंद्र मोदी. अमेरिका द्वारा भारत पर

50 प्रतिशत टैरिफ थोपने के बाद विपक्ष द्वारा हाय तौबा मचाने की बहुत कोशिश की गई कि भारत बर्बाद हो जाएगा, इसका व्यापारिक रिसर्तों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा लेकिन मोदी ने हिम्मत और कूटनीतिक तरीके से संपूर्ण विश्व के देशों को अपने साथ लेकर अमेरिका को यह सबक सिखाया कि किसी भी देश के शासक के सबसे पहले मानववादी विचार को सुनिश्चित करना चाहिए. इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए.

मोदी की धैर्यवान राजनीति ने यह बताया कि किसी देश का राष्ट्राध्यक्ष दिन में कुछ और रात में कुछ और बोलकर विश्व के अन्य देशों का भरोसा नहीं जीत सकता. क्योंकि इससे राष्ट्राध्यक्ष की गरिमा का हनन होता है. यही कारण है कि ट्रंप की चहुं ओर जमकर आलोचना हो रही है. अपने देश में भी ट्रंप आलोचनाओं से बुरी तरह घिर गए हैं. ट्रंप के

विरोधी नेता नहीं बल्कि उनके शुभचिंतक नेता भी उन्हें नसीहत दे रहे हैं कि भारत के साथ ट्रेड वार नहीं ट्रेड दीवार तैयार करने में ही अमेरिका का हित है. यही कारण है कि दावोस में अपने दिए गए भाषण में ट्रंप ने एक बार फिर खुलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और अब उनके वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिए हैं कि भारत पर रूसी तेल खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत पेनल्टी टैरिफ हटाया जा सकता है. अमेरिका ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ के साथ 50 प्रतिशत टैक्स लगा रखा है. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि भारत का यूरोपीय यूनियन के साथ होने वाले सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते को लेकर ट्रंप प्रशासन दबाव में है. उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है.

वहीं, भारत अपने रुख पर आज भी अडिग है कि वह अपने देश हित में किस देश से कितना तेल खरीदेगा, यह उसका आंतरिक मामला है और इसमें किसी अन्य राष्ट्र का हस्तक्षेप उसे स्वीकार नहीं है. भारत वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. अमेरिकी प्रभुत्व को कम करने की दिशा में 18 साल पहले ही कवायद शुरू हो गई थी. भारत-ईयू के बीच व्यापार को लेकर 27 देशों के साथ वर्ष 2007 से ही बातचीत शुरू थी. समझौता अपने आखिरी पड़ाव तक नहीं पहुंच रहा था. लेकिन अब अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ पूरा विश्व लामबंद हो गया है.

( लेखक नवभारत भोपाल के संपादक हैं )

## विध्य की डायरी



## नगरीय निकायों में राजनैतिक नियुक्तियों की बाट जोहते नेता



डॉ. रवि तिवारी

विन्ध्य के ज्यादातर नगरीय निकायों में अभी तक राजनैतिक नियुक्तियाँ नहीं होने से सत्तारूढ़ दल के कदाचर नेता परेशान नजर आ रहे हैं. संगठन की सहमति के बाद भी अटक इस मामले के लिए सीधे

तौर पर कौन जिम्मेदार है, यह तो स्पष्ट नहीं है, पर नियुक्ति नहीं होने से असंतुष्ट नेताओं की फेरहस्त धीरे-धीरे लम्बी होती जा रही है. सगठन के स्थानीय पदाधिकारियों का कहना है कि उन्होंने शासन ने जैसा प्रस्ताव चाहा था, उसे तैयार कर सगठन के माध्यम से ऊपर भेज दिया है. मामला कहाँ और क्यों अटक हुआ है, इस प्रश्न के उत्तर में वो चुप्पी साध लेते हैं. हालांकि जानकारों को अगर माने तो विन्ध्य की ज्यादातर नगरीय निकायों में भाजपा का कब्जा है, लेकिन सिंगरौली और रीवा में इस बार नगरीय निकाय में सत्तारूढ़ दल की दाल अच्छे से गल नहीं पायी. तमाम कोशिशों के बावजूद दोनों स्थानों के महापौरों ने अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व कायम रखते हुए अपनी पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा कायम रखी. ऐसी स्थिति में सरकार भी निकायों में राजनैतिक नियुक्ति के मसले को टाले हुए है ताकि नियुक्ति के बाद कोई नया घटनाक्रम न पैदा हो जाये. फिलहाल निकायों का कार्यक्रम

## विन्ध्य में एस आई आर को लेकर चुप्पी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हो रहे एस आई आर यानी मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम का दूसरा चरण अंतिम दौर पर है, लेकिन पहले चरण के बाद अचानक इस पूरे काम को लेकर दलों में चुप्पी साध गई है. यह महसूस किया जा रहा की पहले चरण के बाद सामने आए ड्राफ्ट से विपक्ष भी संतुष्ट नजर आ रहा है. हालांकि चर्चा यह भी है कि विन्ध्य के कुछ जिलों में लाखों नाम सूची से बाहर हो रहे हैं. प्रशासन भी हटाए जाने वाले नामों के प्रभावितों से आवश्यक दस्तावेज लेने में कोई कोताही नहीं बरत रहा. दूसरे प्रान्तों से ब्याह कर आयी महिलाओं को दिक्रतें ज्यादा आ रही हैं. उन्हें अपने मायके से जानकारी मांगा कर जमा करनी पड़ रही है. सभी को अंतिम सूची का इंतजार है तभी पता लग पाएगा किस जिले से कितने मतदाता घट गए.

## चौपाल

## वादे गए तेल लेने, अब तो मलाई की बारी है !



अब जनता की याद उन्हें 5 साल बाद ही आएगी

भतीजे की बात सुन चाचा बोले - देख भतीजे, राजनीति का सीधा गणित है. चुनाव से पहले वो हमारे चरणों में होते हैं, और चुनाव के बाद हम उनके दफ्तर की सीढ़ियों पर. अभी तो आंकड़ों का बाजार लगा है. कौन किधर बिकेगा, कौन किसके पाले में जाएगा, इसी में उनका भविष्य सेट होगा. जनता का क्या है? वो तो ठगी जाने के लिए ही बनी है. चाचा की बात सुन

## सुरक्षा की कमजोर कड़ी है घुसपैठ का मुद्दा ..!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते बरस भी 15 अगस्त को लालकिले से भारत में मौजूद घुसपैठियों का जिन्न किया था, फिर उसी महीने और अगले महीने यही बात उन्होंने बिहार चुनावों में भी दोहराई थी. अब बंगाल चुनावों से पहले उनकी यह चिंता कम पर दिखती है. प्रधानमंत्री ही नहीं गृहमंत्री ने भी कई बार इस आशय के बयान दिये हैं कि वे घुसपैठियों को अब चुन-चुनकर देश के बाहर निकालने वाले हैं. प्रधानमंत्री ने छह महीने पहले घुसपैठियों की समस्या से निबटने के लिये डेमोग्राफी मिशन शुरू करने की बात कही और घोषणा की थी कि बहुत जल्द ये मिशन अपना काम शुरू करेगा.

इस मिशन के समयबद्ध लक्ष्य, बजट, जिम्मेदार एजेंसियाँ और सार्वजनिक रिपोर्टिंग तंत्र तथा क्रियान्वयन को लेकर स्थिति अस्पष्ट है. घुसपैठिए सरकारी योजनाओं और राजनीतिक संरक्षण का लगातार अनुचित लाभ उठाते जा रहे हैं, जिससे सरकार पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ रहा है. सामाजिक तनाव और अपराधों में वृद्धि हो रही है. कृषि, निर्माण और घरेलू मजदूरी के क्षेत्रों में घुसपैठियों के संसर्ग श्रमिक बन जाने से स्थानीय मजदूरों को रोजी-रोटी पर

असर पड़ता है. घुसपैठिए वोटर आईडी क्या घुसपैठियों को वापस भेजा जा सकेगा और आधार कार्ड जैसे फर्जी दस्तावेज बनाकर चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर लोकर तंत्र को प्रदूषित कर ही रहे ही हैं, इसके अतिरिक्त वे सीमावर्ती राज्यों में नकली करेंसी, नशीली दवाओं, गायों की तस्करी और आतंकवादियों के स्लीपर सेल बनने का माध्यम भी बन रहे हैं.

घुसपैठ से सबसे ज्यादा प्रभावित बंगाल, असम और बिहार में भाजपा इस मुद्दे को लगातार उठा रही है पर दुखद तथ्य है कि घुसपैठ और अवैध प्रवासियों की समस्या पर अब तक भय और अवैध घुसपैठियों का मुद्दा जोर पकड़ रहा है. प्रधानमंत्री अपनी चुनावी सभाओं में लगातार घुसपैठियों तथा अवैध प्रवासियों से मुक्त भारत की बात कर रहे हैं. वे इस समस्या को कानून-व्यवस्था का ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसंख्यिकीय संतुलन का प्रश्न भी मानते हैं. विगत सरकारों को दोष देने और हर बार चुनावों में इस मुद्दे को उठाने, कुछ घोषणाओं और आंधरे प्रयासों के अलावा कोई ठोस समाधान अभी तक सामने नहीं आया है.

संजय श्रीवास्तव

## संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

**CROSS WORD 12153** - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5
	6	7		
8	9	10		11
12	13		14	
	15		16	
17		18		19
	20	21		22
23		24		

भवन आदि का रेखा-चित्र (उर्दू) 24. ओर, बगल, पक्ष (उर्दू) ऊपर से नीचे

1. द्वारपाल, चौकीदार (उर्दू) 2. किसी कार्य को करने का ढंगा, रस्म, कायदा 3. आने-जाने का चौड़ा और पक्का मार्ग 4. साथ चलने वाले, सहगामी (उर्दू) 5. चाल, हरकत, दशा 7. काट खाने वाला 9. जिसके पास लाखों रुपये की संपत्ति हो 11. टिकिया के आकार की एक सीधी खस्ता मिठाई 13. कल्याण, मंगल, रूद्र, परमेश्वर (सं.) 16. पथ-प्रदर्शक, रास्ता बताने वाला, नायक (उर्दू) 17. भरण-पोषण, परवरिश 19. वजन या भार ऊपर लेना 21. वायु, हवा, वैद्यक के अनुसार शरीर की वह वायु जिसके विकार से रोग उत्पन्न होते हैं

**Solution 12152**

दि	मा	च	बा	ल	प	न
ल	त	मा	त	ह	त	
च	म	की	ला	का	न	न
स्य	क	ना	न	क्या		
स	र	ह	द	अ		
आ	दी	रा	क	सि	न	
का	रा	मा	य	पा	के	
र	जू	ज्रा	ण	शू	ल	

बाएँ से दाएँ

1. दफ्तर का कार्य करने वाला, कागजात आदि रखने वाला कर्मचारी (उर्दू) 3. मदद, सहायता 6. गहरी और युक्तियुक्त बात 8. बालक, केश 10. जोर से धिन्दा 12. पैर के नाखून से लेकर सिर तक के सब अंग 14. अक्षर, कमी 15. संत विनोबा भावे के साथ इस स्थान का नाम जुड़ा है 17. चिट्ठी, पत्र, पाती 18. अस्तौथ या विरोध आदि प्रकट करने के लिए कल-कारखानों बाजारों तथा दुकानों आदि का बंद होना 20. उत्तर, मुकाबले की चीज, नौकरी से हटाने की आज्ञा 22. मुसलमानों का मजहबो त्योहार 23. मान-चित्र,

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

## आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी, व्यर्थ वाद विवाद हो सकता है, व्यय में वृद्धि होगी, मानसिक अशांति रहेगी, वर्ष के मध्य में शासन से लाभ प्राप्त होगा, व्यक्तित्व विकास होगा, सामाजिककार्यों में ख्याति प्राप्त होगी, वर्ष के अन्त में भागदंड से सफलता प्राप्त होगी, आर्थिक कार्यों में लाभ प्राप्त होगा.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों

मेघ - सेहत पर ध्यान दें, आय के नए स्रोत मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. धनु - धन, वैद्यक के अनुसार शरीर की वह वायु जिसके विकार से रोग उत्पन्न होते हैं

वृषभ - लंबित मामलों सुलझने के आसार हैं. योजनाओं के आकार देने में सफलता मिलेगी. स्वयं की सुलझण से लिये गये निर्णय सार्थक होंगे. अतिथि बुधकमन का योग है. मिथुन - प्रायद्वी संबंधी विवाद हल होगा. विरोधियों से बचकर रहें. कोई मार्गालिक कार्य संभव होगा. पारिवारिक वातावरण में प्रसन्नता रहेगी.

कर्क - पिपत्रण के संबंध में शुभ समाचार मिलेगा. अनुभवों लोगों का साथ सफलता लाएगा. कोई शुभ कार्य बनेगा. पद प्रतिष्ठा एवं धन की प्राप्ति होगी.

को व्यर्थ विवाद होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ प्राप्त होगा, तथा व्यक्तित्व संबंधों में मनमुटाव हो सकता है, सिंह राशि के व्यक्तियों को यात्रा आदि से सतर्कता बांझनीय, सामाजिक कार्यों में ख्याति प्राप्त होगी.

धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को परिश्रम की अधिकता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों की आर्थिक उन्नति होगी, सफलता मिलेगी.

सिंह - मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो सकते हैं, आपके कार्यों में निखार आयेगा. लिये गये निर्णय में सतर्कता बांझनीय है. योजनाओं में प्रगति होगी.

वृषभ - आपके रखे व्यवहार से करीबी लोग नाराज हो सकते हैं. संतान के कार्यों में सफलता सुख और संतोष का अनुभव होगा. आशा से अधिक कार्यों में सफल होंगे. तुला - कामकाज की थोमी गति से अधिकारी व्यथित होंगे. नए संपर्कों से कार्यों में नई दिशा आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी. संतान के मामलों में व्यय होगा. वृश्चिक - आर्थिक मामलों की अनेकौ से नुकसान हो सकता है. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहें. खानपान पर नियंत्रण रखें. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

## आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर तथा परिश्रमी होगा. आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध होंगे. संगीत कला और धार्मिक कार्यों में इनकी अच्छी रूचि रहेगी. माता पिता को हमेशा सुखी रखेगा.

धनु - भौतिक सुख सुविधाओं पर बड़े खर्च की संभावना है. युवा अच्छी सफलता अर्जित करेंगे. पारिवारिक जीवन में जिम्मेदारियों का अनुभव होगा.

मकर - शोचनीय में अच्छी योजना शुरू होगी. कड़ी मेहनत करके बड़ी सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी. प्रतिष्ठ में वृद्धि होगी. मन: स्थिति संतुलित रहेगी. कृष्ण - विपरीत विचारधारा के लोगों का साथ करने से नुकसान होगा. जीविका के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. पारिवारिक निकटता बड़ेगी. सम्मान में यथोचित वृद्धि होगी. मीन - कार्य योजना व नजरिये में बदलाव करके अच्छी सफलता मिलेगी. जीवन्मसाधी का संशयों प्राप्त होगा. ऐसा कोई कार्य बनेगा. जिससे आपके संतोष प्राप्त होगा.

## उदयकालीन ग्रह पाल

8	के.7 मू.	6	5
9	के.7 मू.	4	3
10	रा.	4	3
11	रा.	2	3
12	शु.	2	3

## पंचांग

रा.मि. 08 संवत् 2082 माघ शुक्ल दशमी बुधवासर दिव 2/0, कृतिका नक्षत्रे प्रातः 7/15 तदुपरि रोहिणी नक्षत्रे रातअंत 5/35, ब्रह्म योगे रात 10/16, गर करणे सू.ज. 6/36, सू.अ. 5/24, चन्द्रचार वृषभ, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक-4,6,0.

## व्यापार भविष्य

माघ शुक्ल दशमी को कृतिका नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, गुड़ खांड, शक्कर, लालमिर्च, आदि में तेजी का रूख रहेगा. नये वस्तुओं में पिछली चाल चलेगी. आज जिन वस्तुओं में तेजी का रूख रहे, उसी में मंदी होगी. भाग्यांक 1776 है.

**SUDOKU 7285**

9	6	3	4	7	8
2		9		7	
4		1	6		2
	8		2	3	
1	4		2	5	
3	5		8		
7		9	5		3
8		6		4	
6	2	7	5	1	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने वाले आवश्यक हैं. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दो-कु 7284

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7